SET-3

Series JMS/5

कोड नं.
Code No. 3/5/3

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 7 हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी

HINDI

(पाठ्यक्रम अ)

(Course A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में* ***चार*** *खण्ड हैं – क, ख, ग और घ ।*

(ii) *चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना* ***अनिवार्य*** *है ।*

(iii) *यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।*

www.readaxis.com

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 20-25 शब्दों में) लिखिए :

लोग अमृतलाल वेगड़ को पर्यावरण प्रेमी, नर्मदा भक्त, शिक्षक, चित्रकार और अथक मुसाफ़िर मानते हैं । मेरी नज़र में वे यात्रा संस्मरण और पर्यावरण पर लिखने वाले भारत के पहले पत्रकार हैं । जिन लोगों ने उनकी पुस्तकें पढ़ी हैं, वे उन्हें अनमोल धरोहर मानते हैं । वे कहते थे, 'नर्मदा मेरे लिए एक ऐसी किताब है, जिसे बार-बार पढ़ने को मन करता है ।' जब वेगड़ जी ने नर्मदा यात्राएँ शुरू कीं, तो बाँध नहीं बने थे । यानी वह हर गाँव उन्होंने देखा, जो अब अस्तित्व में नहीं है और डूब चुका है । ग्यारह साल में दस यात्राएँ, चार हजार किलोमीटर की पदयात्रा । उनकी यही इच्छा कि माँ नर्मदे ! जब हमेशा के लिए मीठी नींद में सो जाऊँ तब थपकी देकर सुला देना ।

पुस्तकों के अलावा उन्होंने नर्मदा पर अनेक चित्र बनाए । उनकी अपनी एक चित्र-शैली थी । जितने पके हुए वे चित्रकार और रचनाकार थे, उतना ही स्नेहिल उनका व्यक्तित्व था । उन्होंने न जाने कितने रचनाकारों के किताबों के आवरण बनाए होंगे । नर्मदा को लेकर कोई किताब लिख रहा हो, तो वे उसे भरपूर प्रोत्साहन देते थे । उसकी किताब का आवरण बनाते थे, भूमिकाएँ लिखते थे ।

अमृतलाल वेगड़ की पत्नी कांताजी बताती हैं – 'राइट टाउन के इस घर में वेगड़ जी की तीन पीढ़ियाँ एक साथ निवास करती हैं । तीन भाई, उनका परिवार, उनके बच्चे और उन सबके बच्चों के बच्चे । एक छत के नीचे, एक चूल्हे पर आज भी खाना । आपस में भरपूर प्यार, स्नेह और एक-दूसरे पर जान छिड़कते हैं सब ।'

टीस उठती है । देश से अपने साथ बेजोड़ अनुभव संपत्ति का खजाना लेकर सदी के ये दस्तावेज़ जा रहे हैं । हम इनको नई नस्लों तक सुरक्षित पहुँचाने का कोई प्रयास नहीं करते । कहावत है – एक बुजुर्ग आदमी जब जाता है तो अपने साथ एक विशाल लाइब्रेरी भी ले जाता है । क्या कभी हम इसे समझ पाएँगे ?

(क) वेगड़ जी की पहचान के लिए किन विशेषणों का प्रयोग किया गया है और क्यों ? *2*

(ख) वेगड़ जी ने नर्मदा के महत्त्व को किस प्रकार दर्शाया है ? *2*

(ग) उनके संयुक्त परिवार के बारे में टिप्पणी कीजिए । *2*

(घ) लेखक के मन में टीस क्यों उठती है ? *1*

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए । *1*

www.readaxis.com

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 20-25 शब्दों में) लिखिए :

आभारी हूँ बहुत दोस्तो, मुझे तुम्हारा प्यार मिला
सुख में, दुख में, हार-जीत में
एक नहीं सौ बार मिला ।

सावन गरजा, भादों बरसा, घिर-घिर आई अँधियारी
कीचड़-कादों से लथपथ हो, बोझ हुई घड़ियाँ सारी
तुम आए तो लगा कि कोई कातिक का त्योहार मिला !

इतना लंबा सफ़र रहा, थे मोड़ भयानक राहों में
ठोकर लगी, डगमग डोला, गिरा तुम्हारी बाँहों में
तुम थे तो मेरे पाँवों को हर फिसलन पर आधार मिला !

आया नहीं फ़रिश्ता कोई, मुझको कभी दुआ देने
मैंने भी कब चाहा, दूँ इनको अपनी नौका खेने
बहे हवा-से तुम, साँसों को सुंदर बंदनवार मिला !

हर पल लगता रहा कि तुम हो पास कहीं दाएँ-बाएँ
तुम हो साथ सदा तो आवारा सुख-दुख आए-जाए
मृत्यु गंध से भरे समय में जीवन का स्वीकार मिला !

(क) कवि अपने मित्रों के प्रति आभार क्यों व्यक्त कर रहा है ? दो कारण लिखिए । *2*

(ख) भाव स्पष्ट कीजिए : *2*
"ठोकर लगी, डगमग डोला, गिरा तुम्हारी बाँहों में
तुम थे तो मेरे पाँवों को हर फिसलन पर आधार मिला !"

(ग) सुख-दुख को 'आवारा' क्यों कहा गया है ? *1*

(घ) किस पंक्ति का आशय है कि कवि को कोई दैवी सहायता नहीं मिली ? *1*

(ङ) सावन-भादों भी कवि के लिए त्योहार कैसे हो जाते थे ? *1*

अथवा

www.readaxis.com

अपना सब कुछ देते हुए
पूरी सदाशयता के साथ
शताब्दियों के उच्छेदन के बाद भी
बचे हैं कुछ छायादार और फलदार वृक्ष
छोटे कहे जाने वाले परिश्रमी लोगों की तरह ।

जिन लोगों ने झूले डाले इनकी शाखों पर
इनके टिकोरों से लेकर बौर तक का
इस्तेमाल करते रहे रूप-रस-गंध के लिए
जिनके साथ ये गरमी-जाड़ा-बरसात खपे
यहाँ तक कि चिताओं पर
जिनके लिए जलते रहे ये
उन लोगों ने इन पर
कुल्हाड़ी चलाने में कभी कोताही नहीं की ।

देश भर में फैले पहाड़
ये ही लोग हैं
जिन्हें हर तरह से
नोंच कर नंगा कर दिया गया है ।

(क) भाव स्पष्ट कीजिए : *2*

शताब्दियों के उच्छेदन के बाद भी
बचे हैं कुछ छायादार और फलदार वृक्ष
छोटे कहे जाने वाले परिश्रमी लोगों की तरह ।

(ख) वृक्षों ने मनुष्य को अपना सहयोग किस प्रकार दिया ? *2*

(ग) मनुष्य ने वृक्षों से सब कुछ पाकर उनके साथ कैसा व्यवहार किया ? *1*

(घ) कौन अपना सब कुछ दे देते हैं ? *1*

(ङ) अंतिम चार पंक्तियों में कवि की पीड़ा क्या है ? *1*

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से ***किन्हीं तीन*** का निर्देशानुसार उत्तर लिखिए : *1×3=3*

(क) नवाब साहब ने अपना तौलिया झाड़ा और सामने बिछा लिया ।
(सरल वाक्य में बदलिए)

(ख) उन्होंने बाहें खोलकर गले लगा लिया । (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ग) उनकी शर्त मान ली गई और वे भारत आ गए । (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(घ) एक चश्मेवाला है जिसका नाम कैप्टन है ।
(आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए)

www.readaxis.com

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** वाक्यों का निर्देशानुसार वाच्य बदलिए : *1×4=4*

(क) रीड नरकट से बनती है । (कर्मवाच्य में)

(ख) सीट के नीचे से लोटा उठाया गया । (कर्तृवाच्य में)

(ग) वह चल नहीं पा रही थी । (भाववाच्य में)

(घ) आओ, बैठते हैं । (भाववाच्य में)

(ङ) मुँह में भर आए पानी का घूँट गले में उतार लिया । (कर्मवाच्य में)

5. निम्नलिखित रेखांकित पदों में से ***किन्हीं चार*** का पद-परिचय लिखिए : *1×4=4*

सुशीला और मैंने घर के बड़े से आँगन में बचपन के सारे खेल खेले ।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(क) संचारी भाव से आप क्या समझते हैं ?

(ख) वात्सल्य रस का एक उदाहरण लिखिए ।

(ग) वीर रस का स्थायी भाव कौन-सा है ?

(घ) उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ, मधुर चाँदनी रातों की ।
अरे खिल-खिला कर हँसते होने वाली उन बातों की ।
उपर्युक्त पंक्तियों में रस पहचान कर लिखिए ।

(ङ) शोक किस रस का स्थायी भाव है ?

खण्ड ग

7. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

बेटे के क्रिया-कर्म में तूल नहीं किया; पतोहू से ही आग दिलाई उसकी । किंतु ज्योंही श्राद्ध की अवधि पूरी हो गई, पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया, यह आदेश देते हुए कि इसकी दूसरी शादी कर देना । इधर पतोहू रो-रोकर कहती – मैं चली जाऊँगी तो बुढ़ापे में कौन आपके लिए भोजन बनाएगा, बीमार पड़े तो कौन एक चुल्लू पानी भी देगा ? पैर पड़ती हूँ, मुझे अपने चरणों से अलग नहीं कीजिए । लेकिन भगत का निर्णय अटल था । तू जा, नहीं तो मैं ही इस घर को छोड़कर चल दूँगा – यह थी उनकी आखिरी दलील । इस दलील के आगे बेचारी की क्या चलती ?

(क) भगत द्वारा किए गए ऐसे कौन-से कार्य हैं जिनसे पता चलता है कि वे सामाजिक परंपरा से हटकर कार्य करते थे । *2*

(ख) बालगोबिन भगत और उनकी पुत्रवधू दोनों दूरदर्शी हैं – स्पष्ट कीजिए । *2*

(ग) उनकी आखिरी दलील क्या थी ? *1*

www.readaxis.com

8. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : *2×4=8*

(क) आपके विचार से युवक कामिल बुल्के ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई छोड़कर भारत आने का निर्णय क्यों लिया होगा ?

(ख) मन्नू भंडारी के पिता के स्वभाव में क्रोध और शक्कीपन आने के कुछ कारणों का उल्लेख कीजिए ।

(ग) किशोर अमीरुद्दीन को बालाजी के मंदिर तक जाने के लिए कौन-सा रास्ता प्रिय था और क्यों ?

(घ) गर्मियों की 'संझा' को बालगोबिन भगत प्राय: कैसे बिताते थे ?

(ङ) हालदार साहब सदा उस कस्बे के चौराहे पर क्यों रुकते थे ? एक दिन न रुकने का निर्णय लेकर भी अचानक क्यों रुक गए ?

9. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

तुम्ह तौ कालु हाँक जनु लावा । बार बार मोहि लागि बोलावा ।।
सुनत लखन के बचन कठोरा । परसु सुधारि धरेउ कर घोरा ।।
अब जनि देइ दोसु मोहि लोगू । कटुबादी बालकु बधजोगू ।।
बाल बिलोकि बहुत मैं बाँचा । अब येहु मरनिहार भा साँचा ।।
कौसिक कहा छमिअ अपराधू । बाल दोष गुन गनहिं न साधू ।।

(क) लक्ष्मण ने परशुराम को क्या कहा ? पंक्ति का आशय अपने शब्दों में लिखिए । *2*

(ख) परशुराम जी ने लोगों को संबोधित करते हुए क्या कहा ? *2*

(ग) विश्वामित्र ने क्या तर्क देकर परशुराम जी से क्षमा करने का निवेदन किया ? *1*

10. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : *2×4=8*

(क) भाव स्पष्ट कीजिए :

परस पाकर तुम्हारा ही प्राण
पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण

(ख) 'कन्यादान' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि माँ ने बेटी को सावधान करना क्यों आवश्यक समझा होगा ।

(ग) 'छाया मत छूना' कविता के संदेश को स्पष्ट कीजिए ।

(घ) 'अट नहीं रही है' कविता के द्वारा वस्तुत: कवि क्या कहना चाहता है ? अपने शब्दों में समझाइए ।

(ङ) परशुराम क्यों क्रुद्ध थे ? लक्ष्मण ने अंतत: ऐसा क्या कह दिया जिसने क्रोध की आग में आहुति का काम किया ?

11. जितेन नोर्गे ने सिक्किम की प्रकृति और भौगोलिक स्थिति के बारे में क्या महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ दीं ? 'साना साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर लिखिए । *4*

अथवा

देखते-देखते नयी दिल्ली का कायापलट क्यों और किस रूप में होने लगा ? इसमें सबसे बड़ी परेशानी क्या आ गई थी ?

www.readaxis.com

खण्ड घ

12. निम्नलिखित में से ***किसी एक*** विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए : *10*

(क) पेट्रोल का बढ़ता मूल्य
- पेट्रोल की कमी
- समस्या का विकराल रूप
- परिणाम और समाधान

(ख) सफलता की कुंजी : मन की एकाग्रता
- सफलता और मन की एकाग्रता
- एकाग्रता के लाभ और उदाहरण
- कैसे हो एकाग्रता

(ग) इंटरनेट का प्रभाव
- इंटरनेट का तात्पर्य
- लाभ और हानि
- मानव मन पर प्रभाव

13. आपकी अपने प्रिय मित्र से किसी बात पर अनबन हो गई है और आपको अब अपनी ग़लती का अहसास हो गया है । अत: उसे मनाने के लिए पत्र लिखिए । *5*

अथवा

आपके मोहल्ले में मच्छरों का गढ़ बन गया है । डेंगू, मलेरिया आदि रोग फैल रहे हैं । नगर निगम आयुक्त को शिकायती पत्र लिखिए ।

14. आपके शहर में कुश्ती दंगल का आयोजन किया जा रहा है, उसके लिए लगभग 20-25 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए । *5*

अथवा

प्लास्टिक के विरुद्ध लोगों में जागरूकता लाने के लिए कपड़े के थैले बनाने की एक तीन दिन की कार्यशाला के बारे में लगभग 20-25 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए ।

www.readaxis.com